(i) Printed Pages : 4 Roll No. .....

(ii) Questions : 6 Sub. Code : 1 1 2 3 4

Exam. Code : 5 0 0 4

Bachelor of Arts (FYUP) 4th Semester

(2056)

HINDI

Paper : Aadhunik Kavita Sahitya Itihaas Evam Vyavharik Hindi

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 90**

1. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8

हम कौन थे, क्या हो गये हैं, जान लो इसका पता,
जो थे कभी गुरु हैं, न उनमें शिष्य की भी योग्यता।
जो थे सभी से अग्रगामी, आज पीछे भी नहीं,
है दिखती संसार में विपरीतता ऐसी कहीं?

अथवा

वर दे, वीणावादिनि वर दे!
प्रिय स्वतंत्र – रव अमृत – मंत्र नव
भारत में भर दे!

(ख) जयशंकर प्रसाद का साहित्यक परिचय दें। 12

अथवा

निराला की कविता 'रानी और कानी' का सार बताते हुए, उद्देश्य स्पष्ट करें।

Scanned with OKEN Scanner

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर **200** शब्दों में दें : 10×2=20

(1) द्विवेदी युगीन काव्य की विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

(2) छायावाद युगीन काव्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

(3) प्रगतिवादी काव्य की विशेषताओं और उसके सामाजिक दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए।

(4) प्रयोगवादी काव्य की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **10** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(1) उद्‌बोधन कविता में कवि किसे जगाने की बात कर रहा है?

(2) बढ़े चलो गीत का मूलभाव क्या है?

(3) मुक्ति कविता में किस तरह पत्थर तोड़कर निकलने को कहा है?

(4) ऐसा तेरा लोक, कविता किस की है?

(5) यह मंदिर का दीप कविता में दीपक कौन है?

(6) सिद्धार्थ की पत्नी का क्या नाम था?

(7) आधुनिक काल का प्रारंभ कब से हुआ?

(8) द्विवेदी युग का नामकरण किसके नाम पर हुआ है?

(9) छायावाद के प्रमुख कवियों के नाम लिखें।

(10) हिन्दी कविता में प्रगतिवाद का प्रारंभ कब से हुआ?

(11) छायावाद की पांच विशेषताएं बताएं।

(12) भारतेंदु युग की पांच विशेषताएं बताएँ।

Scanned with OKEN Scanner

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय का विस्तार कीजिए : 10

(1) समय का महत्व

(2) मजहब नहीं सिखाता आपस में वैर रखना

(3) नारी शक्ति

(4) अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत।

5. निम्नलिखित गद्यांश का सार लिखिए और इसे उपयुक्त शीर्षक भी दें : 10

शिक्षा मानव जीवन के विकास का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। यह केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम ही नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र, सोच और व्यक्तित्व के निर्माण का आधार भी है। शिक्षा मनुष्य को सही और गलत में अंतर करना सिखाती है तथा उसे समाज में एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करती है। जिस समाज में शिक्षा का स्तर ऊँचा होता है, वह समाज अधिक प्रगतिशील, जागरूक और संगठित होता है। आज के युग में शिक्षा का महत्व और भी बढ़ गया है, क्योंकि विज्ञान और तकनीक के विकास के साथ–साथ जीवन की चुनौतियाँ भी बढ़ती जा रही हैं। शिक्षित व्यक्ति इन चुनौतियों का सामना समझदारी और आत्मविश्वास के साथ कर सकता है। शिक्षा मनुष्य में तर्कशीलता, विवेक और सहिष्णुता का विकास करती है। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग होता है। शिक्षा केवल विद्यालयों तक सीमित नहीं है। परिवार, समाज और अनुभव भी व्यक्ति को बहुत कुछ सिखाते हैं। इसलिए शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है। यदि शिक्षा को सही दिशा में अपनाया जाए, तो यह व्यक्ति के साथ–साथ पूरे समाज और राष्ट्र के विकास का आधार बन सकती है।

Scanned with OKEN Scanner

6. निम्नलिखित छंदों में से किन्हीं **चार** के लक्षण, उदाहरण सहित लिखिए : 4×5=20

(1) चौपाई

(2) सवैया

(3) सोरठा

(4) उपेंद्रवज्रा

(5) कुंडलियाँ

(6) रोला।

Scanned with OKEN Scanner